Mangalwar vrat: मंगलवार व्रत पाठ विधि

मंगलवार व्रत
मंगलवार व्रत के प्रमुख देवता श्री राम के प्रिय भक्त श्री हनुमान जी हैं, मंगलवार को हनुमान जी के लिए व्रत रखा जाता है।
जैसा कि हम सब जानते हैं कि_

**।।राम जी न चले हनुमान के बिना और हनुमान जी न चलें श्री राम के बिना।।
**

श्री हनुमान जी मंगलवार व्रत:
श्री राम दरबार
इसलिए
मंगलवार व्रत से पहले जानिए ये महत्वपूर्ण नियम नहीं तो होगा अमंगल ध्यान से पढ़ें नीचे दिए गए नियम:_
मंगलवार व्रत नियम:
1.ब्रह्मचर्य का पालन करना मंगलवार व्रत का सबसे बड़ा नियम है इसलिए कुंवारे,संन्यासी मार्ग के व्यक्तियों को ही यह व्रत रखना चाहिए। 2.विद्वानों के अनुसार अगर कोई ग्रहस्त इस व्रत को करना चाहता है तो जितने मंगलवार वह व्रत रखेगा उस पूरे माह तक ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना पड़ेगा। परंतु मंगलवार व्रत रखने से पहले किसी विद्वान हनुमान उपासक से परामर्श अवश्य लें।
3.मंगलवार को सुबह समय 4 बजे के आसपास उठना जरूरी है।
4.दिन में एक बार शाम की संध्या उपोष्ण के बाद ही
माल पुआ,गुड़ चना ही खाएं।
5.।।श्री राम जय राम जय जय राम।।
108 की एक माला अवश्य करें। सुबह और शाम दोनों पहर।

मंगलवार व्रत सामग्री:
1.लाल लंगोट पहने,लालवस्त्र पहने अगर लाल रंग से परेशानी हो तो भगवा रंग के कपड़े पहने।
2.हनुमानजी को घी के साथ सिंदूर मिलाकर पंडित जी से चढ़वाएं,11 या108 तुलसी पत्र पर श्री राम लिखकर अर्पित करें।
3.मालपुआ, गुड़,भूंजे चने

मंगलवार व्रत पाठ नियम

मंगलवार व्रत: श्री
हनुमान जी

मंगलवार व्रत पाठ नियम: छोटा तरीका
मंगलवार को सुबह समय 4 बजे के आसपास उठना जरूरी है, नहा कर,शुद्ध होकर: गुरु चरणों की वंदना करके_श्री राम स्तुति करें फिर कम से कम 5 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

मंगलवार व्रत पाठ नियम: सिद्ध तरीका
मंगलवार को सुबह समय 4 बजे के आसपास उठना जरूरी है, नहा कर,शुद्ध होकर: गुरु चरणों की वंदना करके_श्री राम स्तुति करें फिर कम से कम 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें। अंत में सुबह या शाम जैसा ठीक लगे कम से कम एक बार अवश्य सुंदरकांड का पाठ करें।
मंगलवार व्रत विधि समाप्त

।।जय श्री राम।।